TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

28 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

दूसरों के बजाए खुद पर विश्वास करना सीखें क्योंकि आप अपने ही प्रयत्नों से कामयाब हो सकते हैं।

लाला लाजपत राय

(स्वतंत्रता सेनानी)

जन्म: 28 जनवरी 1865 मृत्यु: 17 नवंबर 1928

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

जयंती विशेष

28 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

व्यक्ति को सत्य से कभी घबराना नहीं चाहिए उसे सांसारिक लाभ की चिंता छोड़कर साहसी और ईमानदार बनना चाहिए।

- लाला लाजपत राय (पंजाब केशरी)

(प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी)

(28 जनवरी 1865 - 17 नवम्बर 1928)

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

28 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी तिथि, मंगलवार 28 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"अनुभव ही आपका सर्वोत्तम शिक्षक है। जब तक जीवन है सीखते रहो।"

DIWAS GYAN

आज के दिन

1835– कलकत्ता मेडिकल कॉलेज की शुरूआत हुई।

1887– फ्रांस की राजधानी पेरिस में एफिल टावर का निर्माण शुरू हुआ।

1898– सिस्टर निवेदिता का भारत आगमन हुआ।

1899– सेना के प्रथम भारतीय सेनाध्यक्ष के. एम. करिअप्पुमन कल्याणपुर पा का जन्म।

1926 – हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार, सफल सम्पादक, संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान् और जानेमाने भाषाविद विद्यानिवास मिश्र का जन्म

1930– 'भारतीय शास्त्रीय संगीत' के विश्वविख्यात गायक पंडित जसराज का जन्म

1933– कैंब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र चौधरी रहमत अली ने पहली बार भारत के मुस्लिम बहुल राज्यों को 'पाकिस्तान' नाम दिया।

1950– जस्टिस हीरालाल जी कानिया उच्चतम न्यायालय के प्रथम न्यायाधीश बन।

1998– 'राजीव गांधी हत्याकांड' में 26 अभियुक्तों को मृत्युदंड।

1. **लाला लाजपत राय का जन्म**– 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी, 1865 ई. को पंजाब के मोगा जिले में हुआ था। इन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना भी किया था। सन् 1928 में साइमन कमीशन के विरूद्ध हुए प्रदर्शन के दौरान लाठी चार्ज में बहुत बुरी तरह से घायल हो गये और 17 नवम्बर, 1928 ई. को इनकी मृत्यु हो गई। लाला लाजपतराय को 'शेर–ए–पंजाब' का सम्मानित संबोधन देकर लोग उन्हें गरम दल का नेता मानते थे। बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल के साथ इस त्रिमूर्ति को 'लाल–बाल–पाल' के नाम से जाना जाता था। इन्हीं तीनों नेताओं ने सबसे पहले भारत में पूर्ण स्वतन्त्रता की माँग की थी। बाद में समूचा देश इनके साथ हो गया।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** इतिहास के शिक्षक बच्चों को लाला लाजपत राय के जीवनी के बारे में बतायें।

2. **डाटा संरक्षण दिवस**– डाटा की गोपनीयता और संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 28 जनवरी को डाटा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह वर्तमान में अमेरिका, इजरायल, कनाडा सहित 47 यूरोपीय देशों में मनाया जाता है। इसे 14 अप्रैल, 2016 को यूरोपीय संसद और यूरोपीय संघ की परिषद् ने अपनाया था तथा वर्ष 2018 में ब्रिटेन ने शाही अनुमति प्रदान कर दी।

DIWAS GYAN

दिवस प्रेरणा 28

टॉलस्टाय

(महान रूसी लेखक)

अध्यापक उसे एकदम जड़बुद्धि समझते थे ...

संघर्ष

टॉलस्टाय का जन्म एक धनी परिवार में हुआ था। बचपन में उसके अध्यापक उसे एकदम जड़बुद्धि समझते थे और उसके मस्तिष्क में अपनी कुछ भी विद्या पहुंचा पाने में स्वयं को असमर्थ अनुभव करते थे। यौवन के दिनों में विलासिता पूर्ण जीवन व्यतीत किया। मद्य और मांस का सेवन, व्यभिचार जैसे सभी प्रकार के दुष्कर्म किये। शानदार और महंगे वस्त्र पहना करता था। लेकिन जीवन के पिछले हिस्से में उसे वैराग्य उत्पन्न हो गया और गरीबी का जीवन बिताना पड़ा। बुढ़ापे में अपना कमरा स्वयं बुहारते, अपना बिस्तर खुद बिछाता और बर्तन भी खुद धोते थे। पत्नी को विलासिता पूर्ण जीवन पसंद था जबकि टॉलस्टाय को लगता की धन बटोरना पाप है, इसलिये पत्नी हमेशा उनसे लड़ते रहती थी। पति–पत्नी के बीच इतनी कटुता बढ़ गयी की जीवन के अंतिम क्षण में पत्नी का चेहरा भी देखना पसंद नहीं किया और एक रेलवे स्टेशन पर प्राण त्याग दिये।

सफलता

रूस के महान उपन्यासकारों में उनकी गिनती की जाती है। उनकी उपन्यास 'युद्ध और शान्ति' और 'अन्ना कैरेनिना' विश्व साहित्य की अमर निधि है। इनके कारण टॉलस्टाय को इतना यश मिला जितना कि रूस के महान सम्राट को भी नहीं मिला। इनके विचारों के विषय में 20,000 से भी अधिक पुस्तकें लिखी जा चुकी है। जीवन के अंतिम दिनों में टॉलस्टाय को एक संत माना गया।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

28 जनवरी

मधु प्रिया

लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी

लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी, 1865 ई. को अपने ननिहाल के ग्राम ढुंढिके, ज़िला फ़रीदकोट, पंजाब में हुआ था। उनके पिता लाला राधाकृष्ण लुधियाना ज़िले के जगराँव क़स्बे के निवासी अग्रवाल वैश्य थे। लाला राधाकृष्ण अध्यापक थे। वे उर्दू तथा फ़ारसी के अच्छे जानकार थे। इसके साथ ही इस्लाम के मन्तव्यों में भी उनकी गहरी आस्था थी। वे मुसलमानी धार्मिक अनुष्ठानों का भी नियमित रूप से पालन करते थे। नमाज़ पढ़ना और रमज़ान के महीने में रोज़ा रखना उनकी जीनवचर्या का अभिन्न अंग था, यथापि वे सच्चे धर्म-जिज्ञासु थे। अपने पुत्र लाला लाजपत राय के आर्य समाजी बन जाने पर उन्होंने वेद के दार्शनिक सिद्धान्त 'त्रैतवाद' को समझने में भी रुचि दिखाई। पिता की इस जिज्ञासु प्रवृत्ति का प्रभाव उनके पुत्र लाजपत राय पर भी पड़ा था। लाजपत राय के पिता वैश्य थे, किंतु उनकी माती सिक्ख परिवार से थीं। दोनों के धार्मिक विचार भिन्न-भिन्न थे। इनकी माता एक साधारण महिला थीं। वे एक हिन्दू नारी की तरह ही अपने पति की सेवा करती थीं। लाजपत राय की शिक्षा पाँचवें वर्ष में आरम्भ हुई। सन 1880 में उन्होंने कलकत्ता तथा पंजाब विश्वविद्यालय से एंट्रेंस की परीक्षा एक वर्ष में उत्तीर्ण की और आगे पढ़ने के लिए लाहौर आ गए। यहाँ वे गर्वमेंट कॉलेज में प्रविष्ट हुए और 1882 में एफ. ए. की परीक्षा तथा मुख़्तारी की परीक्षा साथ-साथ उत्तीर्ण की। यहीं वे आर्य समाज के सम्पर्क में आये और उसके सदस्य बन गये। लाला लाजपत राय ने एक मुख़्तार (छोटा वकील) के रूप में अपने मूल निवास स्थल जगराँव में ही वकालत आरम्भ कर दी थी; किन्तु यह क़स्बा बहुत छोटा था, जहाँ उनके कार्य के बढ़ने की अधिक सम्भावना नहीं थी। अतः वे रोहतक चले गये। उन दिनों पंजाब प्रदेश में वर्तमान हरियाणा, हिमाचल तथा आज के पाकिस्तानी पंजाब का भी समावेश था। रोहतक में रहते हुए ही उन्होंने 1885 ई. में वकालत की परीक्षा उत्तीर्ण की। 1886 में वे हिसार आए।एक सफल वकील के रूप में 1892 तक वे यहीं रहे और इसी वर्ष लाहौर आये। तब से लाहौर ही उनकी सार्वजनिक गतिविधियों का केन्द्र बन गया।3 फ़रवरी, 1928 को साइमन कमीशन भारत पहुँचा, जिसके विरोध में पूरे देश में आग भड़क उठी। लाहौर में 30 अक्टूबर, 1928 को एक बड़ी घटना घटी, जब लाला लाजपत राय के नेतृत्व में साइमन कमीशन का विरोध कर रहे युवाओं को बेरहमी से पीटा गया। पुलिस ने लाला लाजपत राय की छाती पर निर्ममता से लाठियाँ बरसाईं। वे बुरी तरह घायल हो गए। इस समय अपने अंतिम भाषण में उन्होंने कहा था- मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक चोट ब्रिटिश साम्राज्य के क़फन की कील बनेगी। और इस चोट ने कितने ही ऊधमसिंह और भगतसिंह तैयार कर दिए, जिनके प्रयत्नों से हमें आज़ादी मिली।

इस घटना के 17 दिन बाद यानि 17 नवम्बर, 1928 को लाला जी ने आख़िरी सांस ली और सदा के लिए अपनी आँखें मूँद लीं।

Teachers of Bihar
The change makers

जयंती विशेष 28 जनवरी

राकेश कुमार

मां भारती की स्वाधीनता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले प्रखर राष्ट्रवादी और महान स्वतंत्रता सेनानी

पंजाब केसरी
लाला लाजपत राय

जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन

मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक चोट ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत की कील बनेगी।

लाला लाजपत राय *Lala Lajpat Rai*, जन्म: 28 जनवरी, 1865; मृत्यु: 17 नवंबर, 1928 ई., लाहौर, अविभाजित भारत) को भारत के महान् क्रांतिकारियों में गिना जाता है। आजीवन ब्रिटिश राजशक्ति का सामना करते हुए अपने प्राणों की परवाह न करने वाले लाला लाजपत राय को 'पंजाब केसरी' भी कहा जाता है। लालाजी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गरम दल के प्रमुख नेता तथा पूरे पंजाब के प्रतिनिधि थे। उन्हें 'पंजाब के शेर' की उपाधि भी मिली थी।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 28.01.2025

शिक्षण में ब्लू प्रिंट

यह एक ढांचा की तरह काम करता है जिसके आधार पर प्रश्न पत्रों का निर्माण किया जाता है। ब्लूप्रिंट के माध्यम से ही प्रश्न पत्र में अंकों का विभाजन, सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का समावेश तथा बच्चों के ज्ञान के विस्तृत आकलन के लिए सभी प्रकार के प्रश्नों (वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय) को शामिल किया जाता है।

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

आर्गन (Argon)

संकेत (symbol) - **Ar**

परमाणु संख्या (Atomic no.) -18

समूह (group)-18

आवर्त (period)-3

परमाणु भार (A.weight) -39.948

ब्लाक (block)-P

संयोजकता (valancy)-0

समस्थानिक (isotope)-3

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[Ne]2s^2 3p^6$

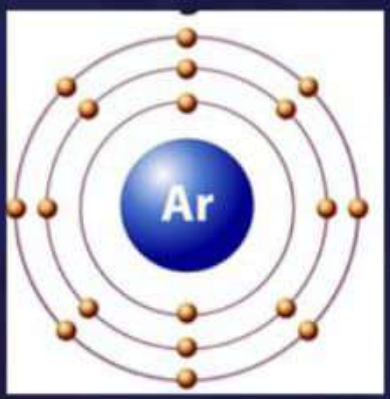

खोज

1894,विलियम रैमसे

भौतिक गुण

रंगहीन ,गंधहीन ,जल में घुलनशील गैस अक्रिय गैस

रासायनिक गुण

रासायनिक रूप से निष्क्रिय

उपयोग

लेजर सर्जरी,लाइट बल्ब,ग्लो ट्यूब

Anu priya

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

बृहस्पति का ग्रेट रेड स्पॉट एक विशाल तूफान है, जिसमें 2-3 पृथ्वी समा सकती हैं। यह तूफान 300 सालों से अधिक समय से सक्रिय है और इसकी हवाएं 400 मील प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हैं। यह मानव इतिहास के किसी भी तूफान से कहीं बड़ा और अद्भुत है।

स्रोत:
दैनिक भास्कर

TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

ICC मेंस वनडे

टीम ऑफ द ईयर-2024

- सईम अयूब
- रहमानुल्लाह गुरबाज
- पथुम निसांका
- कुसल मेंडिस (विकेटकीपर)
- चरिथ असलंका (कप्तान)
- शेरफेन रदरफोर्ड
- अजमतुल्लाह उमरजई
- वनिंदु हसरंगा
- शाहीन अफरीदी
- हारिस रऊफ
- अल्लाह गजनफर

के एम करियप्पा

जन्म- 28 जनवरी 1899
मृत्यु - 15 मई 1993

Madhu priya

/teachersofbihar

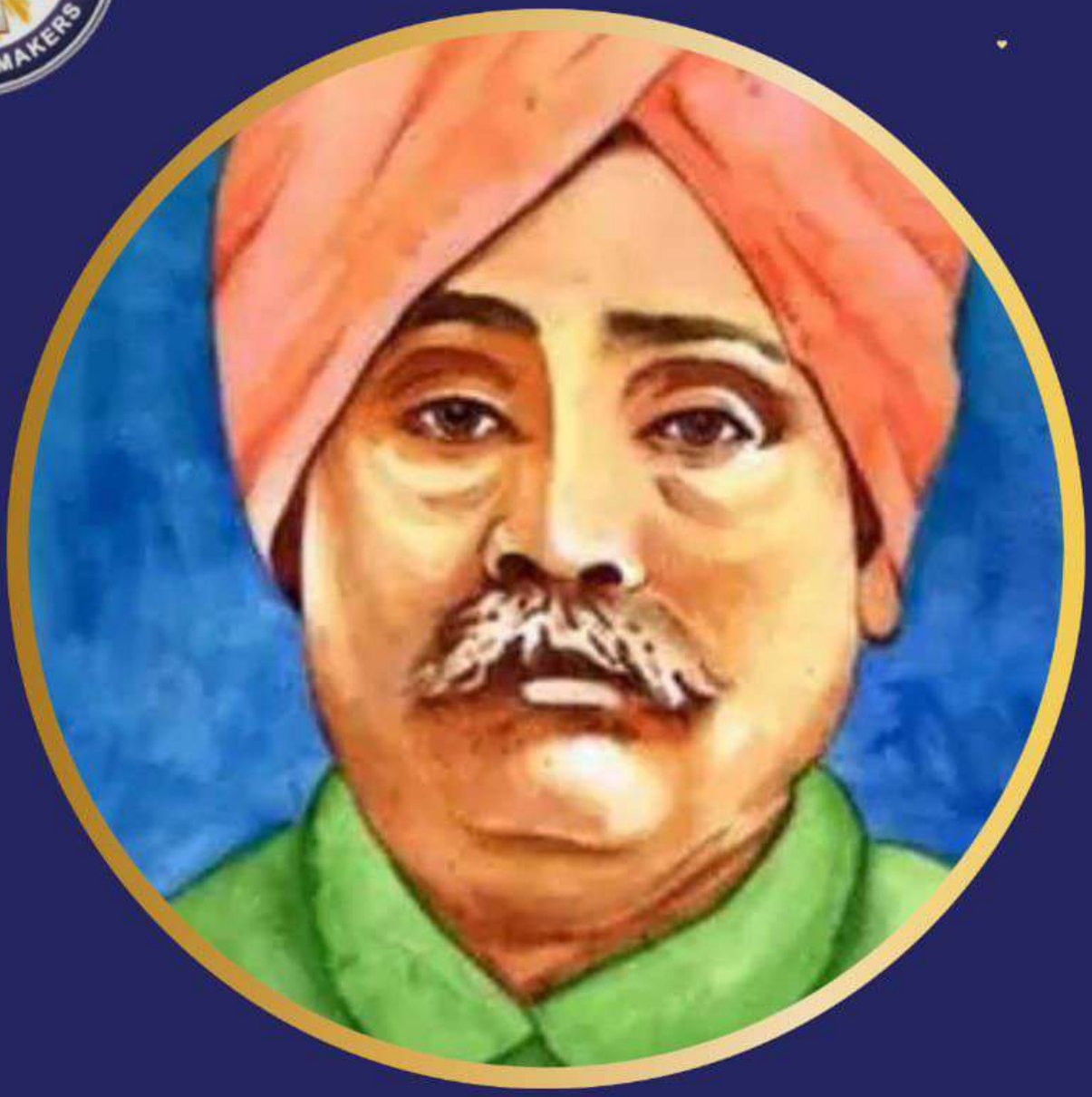

पंजाब केसरी लाला लाजपत राय

28 जनवरी 1865-17 नवम्बर 1928

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

28 जनवरी

पंजाब केसरी

लाला लाजपतराय

की जयंती पर सादर नमन

28 जनवरी 1865 - 17 नवंबर 1928

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari